प्रेमचंद जयंती कार्यक्रम की रिपोर्ट

01/08/2019

हिन्दी विभाग
एम. पी. शाह आर्ट्सएन्डसायन्स कॉलेज,
सुरेन्द्रनगर

प्रेमचंद की 139 जयंती के उपक्रम में दिनांक 31/07/2019 को हिन्दी विभाग, एम. पी. शाह आर्ट्सएन्डसायन्स कॉलेज, सुरेन्द्रनगर के रूम नं. 48 में 9:30 से 11:30 के दौरान कार्यक्रम किया गया। हिन्दी विभाग के डॉ. तृप्ति भावसार द्वारा इस सारे कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में प्रेमचंद के जीवन और साहित्य पर हिन्दी विभाग के अध्यापकों द्वारा विद्वत्तापूर्ण वक्तव्य दिए गए और छात्रों द्वारा प्रेमचंद की विविध साहित्यिक प्रवृत्तिओं पर बात की गयी। छात्रों द्वारा प्रेमचंद की 'ईदगाह' और 'नमक का दारोगा' कहानियों कारसास्वादन करवायागया। इसकार्यक्रम के द्वारा हिन्दी विभाग के अध्यापक डॉ. तृप्ति भावसार, डॉ उमा मेहता और डॉ. शिवांगकुमार भावसार ने छात्रों को यथास्थान मार्गदर्शन देकर छात्रों में निहित सुषुप्त शक्तिओं को अभिव्यक्त होने का अवसर प्रदान किया। प्रेमचंद की साहित्यिक रचनाओं पर बने चलचित्र से छात्रों को परिचित करवाते हुए पाठ्यक्रम की 'कफन' कहानी पर बनी फिल्म दिखाई गयी। प्रत्येक वर्ष की तरह इस वर्ष भी कॉलेज में यह कार्यक्रम आयोजित करके प्रेमचंद को सच्चे अर्थ में श्रद्धांजलि अर्पित करने का प्रयास हिन्दी विभाग द्वारा किया गया।

मंगलसूत्र

गबन
निर्मला
वरदान
गोदान

प्रेमचंद
जन्मजयंती
महोत्सव

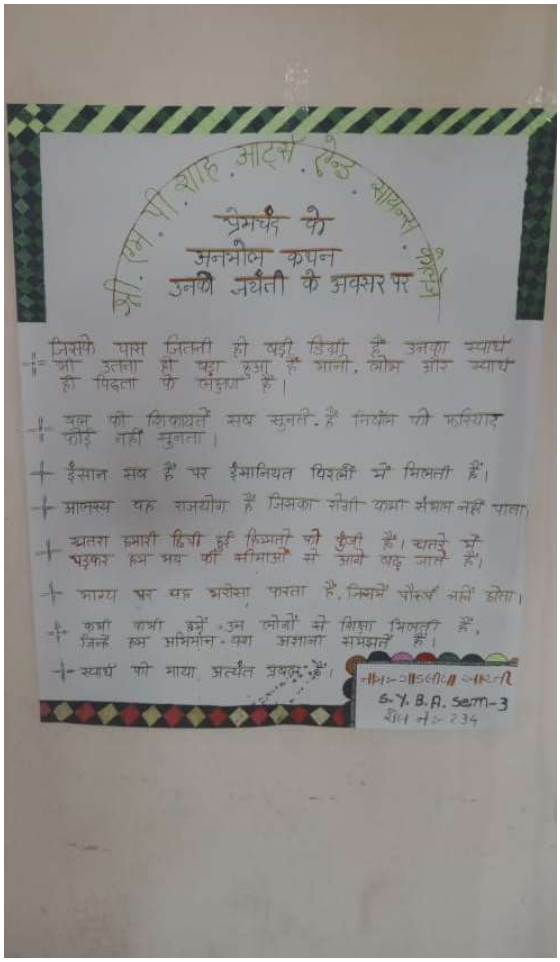
श्री. एम. पी. शाह. आर्ट्स. एन्ड. सायन्स. कॉलेज
प्रेमचंद के
अनमोल कथन
उनकी जयंती के अवसर पर
जिसके पास जितनी ही बड़ी डिग्री है उनका स्वार्थ भी उतना ही बढ़ा हुआ है मानो, लोभ और स्वार्थ ही पिछला के लक्षण हैं।
बल की शिकायतें सब सुनते हैं निर्बल की फरियाद कोई नहीं सुनता।
इंसान सब हैं पर ईमानियत विरलों में मिलती हैं।
आलस्य वह राजयोग है जिसका रोगी कभी संभल नहीं पाता।
खतरा हमारी छिपी हुई हिम्मतों की कुंजी है। खतरे में पड़कर हम भय की सीमाओं से आगे बढ़ जाते हैं।
भाग्य पर यह भरोसा करता है, जिसमें पौरुष नहीं होता।
कभी कभी हमें उन लोगों से शिक्षा मिलती हैं, जिन्हें हम अभिमान-वश अज्ञानी समझते हैं।
स्वार्थ की माया अत्यंत प्रबल है।
S.Y. B.A. Sem-3
रोल नं:- 234